विश्वविद्यालय ने विश्व का तीसरा एवं एशिया का पहला कार्बन कैप्चरिंग प्लांट स्थापित किया है...

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, भोपाल अनुसंधान के क्षेत्र में देश का अग्रणी विश्वविद्यालय

डॉ. साधना कपूर, कुलाधिपति आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में यह विश्वविद्यालय देश में अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय बन गया है। मध्यप्रदेश का यह पहला विश्वविद्यालय है, जिसके साथ आरकेडीएफ-सीएसआईआर के बीच कार्बन उत्सर्जन में शोध के लिए एमओयू वर्ष 2023 में हुआ। एमओयू के हस्ताक्षर के पूर्व सीएसआईआर के विभिन्न संस्थाओं के 39 वैज्ञानिकों ने आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, भोपाल में स्थापित सर जेसी बोस अनुसंधान केंद्र का भ्रमण किया एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र पर विस्तृत चर्चा की थी।

दरअसल आरकेडीएफ विश्वविद्यालय ने विश्व का तीसरा एवं एशिया का पहला कार्बन कैप्चरिंग प्लांट स्थापित किया है। इस संयंत्र को भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। शीघ्र ही राष्ट्रीय क्षितिज पर पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में प्रभावी नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार एवं एनटीपीसी को अपना सहयोग प्रदान कर एवं ताप विद्युत गृहों से निकलने वाले कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करेगा। इस उपलब्धि को भारत सरकार के नीति आयोग की रिपोर्ट में शामिल किया गया है। भारत शासन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने का प्रयास कर रहा है। हाल ही में दुबई में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जलवायु परिवर्तन के सम्मेलन में भाग लेकर, कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर पर चिंता व्यक्त की थी। इस अवसर पर माननीय मोदी जी ने कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने हेतु प्रयास कर रहे संस्थानों एवं वैज्ञानिकों के योगदान पर एक पुस्तक का विमोचन किया था। उसमें आरकेडीएफ विश्वविद्यालय भोपाल एवं वैज्ञानिक डॉ. व्ही.के.सेठी के योगदान को सम्मिलित किया गया था।

केंद्र में 5 कंपनियों द्वारा अनुसंधान कार्य

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के अनुसंधान केंद्र जेसी बोस पर आज पांच निजी कंपनियां- 1. प्रयोगिक टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड, 2. चरखा मॉडल प्रौद्योगिकी, 3. ड्यूरेड नियंत्रण, 4. रवि सोलर सॉल्यूशन, 5. सिसोदिया सोलर - स्टार्टअप में अपना अनुसंधान एवं कार्य कर रही हैं। इसी तरह विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के छात्र स्टार्टअप क्रमशः बाजरा उत्पाद, मोरिंगा पाउडर, मशरुम उत्पाद, सटीक खेती, संशोधित वर्मी कम्पोस्ट पर कार्य कर रहे हैं। इस विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा बनाए गए वर्मी कम्पोस्ट में ऑर्गेनिक मैटर, देश में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट में सर्वोत्तम एवं सर्वाधिक है। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्मी कम्पोस्ट का पेटेंट करा लिया गया है। इसी की गुणवत्ता को देखते हुए भारत शासन के विभाग एनआरडीसी ने 12 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की सैद्धांथित सहमति दी है। इसकी तकनीकी और गुणवत्ता से उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट किसानों के लिए लाभदायक होगी एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ ही कृषि को लाभ का धंधा बनाएगी।

अकादमिक व अनुसंधान में उपलब्धियों के लिए सम्मान

अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों में प्रमुख उपलब्धियों को देखते हुए ऑक्सफोर्ड अकादमिक यूनियन यूके ने भारत में पहली बार कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर को दो बार सम्मानित किया है। अन्य विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को यह सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ है।

3 जुलाई 2017 को स्विट्जरलैंड में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की मानद प्रोफेसर की उपाधि दी गई एवं 20 दिसंबर 2022 को ग्रैंड स्टार ऑफ सक्सेस अवार्ड ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से प्राप्त हुआ।

नई तकनीक से बुखारी

इसी तरह हमारे देश के सैनिकों के लिए यह विश्वविद्यालय वर्ष 2021 से "नई तकनीक से बुखारी" बनाने के कार्य पर अनुसंधान कर रहा है। इसके महत्वपूर्ण पहलू हैं - चार एलईडी बल्ब (प्रत्येक 24 वाट) जलाने के लिए उपयुक्त बिजली उत्पन्न कर सकती है, बिना किसी अतिरिक्त लागत के मोबाइल आदि चार्ज कर सकती है। अब बुखारी सेना को आपूर्ति करने के लिए तैयार है, जिसकी सराहना सेना के वरिष्ठ कार्मिक और डीआरडीओ के वैज्ञानिक ने की है।

अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए बजट

ग्रुप के चैयरमेन डॉ. सुनील कपूर के निर्देश पर यह विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने हेतु अनुसंधान हेतु 100 लाख रुपए या अधिक का सीड मनी का प्रावधान विश्वविद्यालय के बजट में करता है। इससे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लाभ लेकर अनुसंधान करते हैं, जिसका लाभ आमजनों को प्राप्त हो एवं अनुसंधान के परिणामों का आंकलन कर बड़ी लागत योजनाएं वित्तीय सहायता के लिए भारत शासन को भेजी जाती हैं एवं अनुसंधान हेतु राशि प्रतिवर्ष प्राप्त हो रही है। इसी तरह से नासा अमेरिका की एसोसियेट कंपनी यूसीएल, कैलीफोर्निया से सात परियोजनाओं के लिए एमओयू वर्ष 2023 में हस्ताक्षर किए गए। यूसीएल कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं वैज्ञानिक ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान केंद्र भ्रमण के पश्चात एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

सर जेसी बोस अनुसंधान केंद्र, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, भोपाल

पहला नंबर ब्राजील ने पाया है। | जरूरत होती है, वहां मुहैया करा दिया जा

कार्पोरेट प्लस

स्वामी विवेकानंद के सपनों को पूरा करने का संकल्प लें युवा : वीडी शर्मा

भोपाल। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय (गांधीनगर) में राष्ट्रीय युवा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सभी युवा स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार करने का संकल्प लें और देश को विकास के मार्ग पर ले जाने में सहयोग करें। कार्यक्रम में ग्रुप चेयरमैन डॉक्टर सुनील कपूर, कुलपति विजय अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी उपस्थित थे।

सभी ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण नमन किया। इस अवसर पर नव मतदाता भारत के भाग्य विधाता विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक नमन ठाकुर, कपिल,राय, लक्ष्मण, सचिन गौतम की सहभागिता रही।

आध्यात्मिक जीवन गर्व और गौरव की बात:

आरकेडीएफ में मनाया गया युवा दिवस

स्वामी जी के सपनों को पूरा करने का संकल्प लें : वी डी शर्मा

जागरण, भोपाल। युवाओं से आह्वान है कि देश के अमृत काल में विकास का संकल्प ले कर स्वामी जी के सपनों को साकार करें और भारत को विकास की मार्ग पर ले जाने में सहयोग करें। यह आह्वान आर के डी एफ विश्वविद्यालय गांधीनगर में युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा ने युवाओं से किया। ग्रुप चेयरमैन डॉक्टर सुनील कपूर, कुलपति विजय अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इस आयोजन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में 'नवमतदाता भारत के भाग्य विधाता' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक नमन ठाकुर, कपिल राय, लक्ष्मण, सचिन गौतम की सहभागिता रही। लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से विकसित भारत 2047 विषय पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के शिक्षकगण व छात्र, छात्राओं के मध्य किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण संयोजन आर.के.डी.एफ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विजय अग्रवाल, कुलसचिव डॉ एन.के.लारिया, प्रशासनिक अधिकारी श्री योगराज सिंह, परिक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील पाटिल,इंटरनेशनल स्टूडेंट डायरेक्टर सुश्री सोनल सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बृजेश पाण्डेय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवक शिवम राजपूत, नमन ठाकुर, अन्य स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम का निर्वाह कर आयोजन को सफल बनाया।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, सीधी, उमरिया, छतरपुर, शिवपुरी, होशंगाबाद, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.pradeshtoday.com

पूरा सच, बेहिचक

प्रदेश टुडे

वर्ष: 14, अंक: 51, कुल पृष्ठ: 12, भोपाल, रविवार, 05 नवंबर 2023

मूल्य: ₹3.00

RKDF ग्रुप ने युवाओं मतदान करने निकाली जागरुकता रैली

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो...

भोपाल। आने वाली 17 नवम्बर को मध्यप्रदेश विधान सभा के लिए होने वाले मतदान में बढ़चढ़कर भाग लेने और युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने आरकेडीएफ ग्रुप ने चेयरमैन डॉक्टर सुनील कपूर, कुलाधिपति साधना कपूर और एमडी सिद्धार्थ कपूर के मार्गदर्शन में शनिवार को मतदाता जागरुकता अभियान रैली का आयोजन किया गया।

रैली को जिलाधिकारी आशीष सिंह, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज और कुलपति डॉक्टर विजय अग्रवाल ने झंडा दिखाकर रवाना किया। रैली में 5 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। 2किलोमीटर लंबे काफिले में एक हजार से अधिक वाहन शामिल थे। इसके पूर्व जिला कलेक्टर सिंह ने शपथ दिलाते हुए आह्वान किया कि अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए देश और प्रदेश के विकास के लिए अच्छे जनप्रतिनिधियों का चयन करें। कलेक्टर आशीष सिंह ने आरकेडीएफ समूह की सराहना की और कहा कि है पिछले चुनाव में भोपाल का वोटिंग प्रतिशत महज 65 प्रतिशत था जिसे सौ प्रतिशत करते हुए हमें इस कसौटी पर खरा उतरना है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. विज्य अग्रवाल ने कहा कि आरकेडीएफ समूह समाज सेवा के हर क्षेत्र में जिला प्रशासन का सहयोग करता आया है। लोकतंत्र के इस महापर्व में हम नागरिकों के जनजागरण के लिए यह प्रयास कर रहे हैं। इसमें एनसीसी और एनएसएस के स्वयंसेवक भी बड़ी संख्या में भाग ले रहे। जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज ने कहा कि इस चुनाव में हमारा पूरा फोकस युवाओं पर है। युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए हमने कॉलेजों में लिटरेसी क्लब शुरू किए हैं। रैली आरकेडीएफ केम्पस गांधीनगर से प्रारंभ होकर अब्बास नगर, लालघाटी, रॉयल मार्किट, हमीदिया रोड, पीएचक्यू, न्यू मार्केट, मैनिट चौराहा सुभाष स्कूल, रानी कमलापति स्टेशन होशंगाबाद रोड़ से होते हुए 11 मील तिराहे पर सम्पन्न हुई।

मतदाता जागरुकता रैली में आरकेडीएफ ग्रुप से संबंधित एसआरके यूनिवर्सिटी, भाभा यूनिवर्सिटी सत्य साईं यूनिवर्सिटी, आरकेडीएफ मेडिकल कालेज, सत्य साईं ऑटोमोबाइल्स और अन्य संस्थानों से अनेक शिक्षाविद शामिल थे जिनमें प्रो. आरपीएस चौहान, कुलपति रुचि चौबे, सीईओ प्रसाद पिल्लई, प्रियंका जायसवाल, डॉ. सुनील पाटिल, कुलसचिव डॉ. श्याम पाटकर, डॉ. एनके लारिया, डीन डॉ. नीलेश दिवाकर, डॉ. एसएस पवार, योगराज सिंह, जुनैद अली, डॉ. निमिष मेहता, डॉ. रत्नेश जैन, कोलार परिसर से डॉ. अनूप सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डर सुहेल अहमद उल्लेखनीय हैं। इस व्यवस्थित रैली को जिला प्रशासन का सहयोग मिला जिसकी वजह से रैली में परिवहन संबंधी कोई कठिनाई उत्पन्न नहीं हुई। रैली के समापन पर कुलपति प्रो. अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में लगी मॉडल प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र

कार्यक्रम में विशेष

- छात्रों ने अपनी अभिव्यक्ति का कमाल दिखाते हुए प्रस्तुत किए कई मॉडल।
- आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में लगी मॉडल प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र।
- 2000 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में 85 से अधिक मॉडल किए गए प्रदर्शित।
- विश्वविद्यालय के कुलपति विजय कुमार अग्रवाल ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ।
- मॉडल के मूल्यांकन उपरांत प्रतिभागी छात्र-छात्राओं किया गया पुरस्कार वितरण।
- डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ.रश्मि पांडे, चिराग गुप्ता डॉ. अभिमन्यु के मार्गदर्शन में लगी प्रदर्शनी।

तांडव न्यूज़ ▸ भोपाल

गत दिवस आरकेडीएफ विश्वविद्यालय भोपाल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अवसर पर प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति विजय कुमार अग्रवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने अपनी अभिव्यक्ति का कमाल दिखाते हुए ब्लाइंड असिस्टेंट सिस्टम, स्मार्ट डस्टबिन, लाइफ सेफ्टी व्हीकल और प्रेसीजन फार्मिंग जैसे मॉडल बनाकर प्रदर्शित किए, जिन्हें कार्यक्रम में उपस्थितजनों द्वारा खूब सराहना गया।

85 से अधिक मॉडल हुए प्रदर्शित

प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित मॉडल प्रदर्शित किए गए । कुल 85 से अधिक मॉडल प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए, जिसमें लगभग 2000 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मूल्यांकन उपरांत प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार वितरण किया गया। प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वीरेंद्र कुमार पटेल, डॉ.रश्मि पांडे, चिराग गुप्ता, डॉ अभिमन्यु के मार्गदर्शन में किया गया।

आयोजन में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी डायरेक्टर मैनेजमेंट डॉ बीएन सिंह, निदेशक अनुसंधान डॉक्टर वीके सेठी, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर सुनील पाटिल, रजिस्ट्रार डॉ एन के लारिया भी उपस्थित थे।

आरकेडीएफ में निकली मतदान जागरुकता रैली, दिलाई शपथ

आरकेडीएफ की यह सराहनीय पहल : कलेक्टर

तांडव न्यूज़ ▸ भोपाल

मप्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आकेडीएफ में मतदाता जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में मतदान की शपथ दिलाते हुए आह्वान कर लोगों को जागरुक किया गया कि अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए देश और प्रदेश के विकास के लिए अच्छे जनप्रतिनिधियों का चयन करें। यह आह्वान रैली में शामिल लगभग 10 हजार से अधिक युवाओं और आरकेडीएफ के कर्मचारियों अधिकारियों और स्टाफ मेम्बर और आम जनता को भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज और कुलपति डॉक्टर विजय अग्रवाल द्वारा किया गया। गौरतलब है कि 17 नवम्बर को मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में बढ़चढ़कर भाग लेने और युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने आरकेडीएफ ग्रुप ने चेयरमैन डॉक्टर सुनील कपूर, कुलाधिपति साधना कपूर और एमडी सिद्धार्थ कपूर के मार्गदर्शन में यह रैली का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम अवसर पर कलेक्टर आशीष सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कहा की आरकेडीएफ की यह पहल सराहनीय है। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि पिछले चुनाव में भोपाल का वोटिंग प्रतिशत महज 65 परसेंट था जिसे सौ प्रतिशत करते हुए हमें इस कसौटी पर खरा उतरना है।

हमारा पूरा फोकस युवाओं पर

जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज ने कहा कि इस चुनाव में हमारा पूरा फोकस युवाओं पर है। युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए हमने कॉलेजों में लिटरेसी क्लब शुरू किए हैं। सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो...... अपने मत की कीमत जानो.. शत प्रतिशत मतदान की ठानो....जैसे नारे लगाते हुए हजारों लोगों के साथ यह रैली आरकेडीएफ केम्पस गांधीनगर से प्रारंभ होकर अब्बास नगर, लालघाटी, रॉयल मार्किट, हमीदिया रोड, पीएचक्यू न्यू मार्केट मैनिट चौराहा सुभाष स्कूल, रानी कमलापति स्टेशन होशंगाबाद रोड से होते हुए 11 मील तिराहे पर सम्पन्न हुई। इस मतदाता जागरूकता रैली में आरकेडीएफ ग्रुप से संबंधित एसआरके यूनिवर्सिटी, भाभा यूनिवर्सिटी सत्य साईं यूनिवर्सिटी, आरकेडीएफ मेडिकल कालेज, सत्य साईं ऑटोमोबाइल्स और अन्य संस्थानो से कुलपति, सीईओ रुचि चौबे, प्रसाद पिल्लई, प्रियंका जायसवाल, श्याम पाटकर, योगराज सिंह, सुनील पाटिल, संतोष नेगी, भाग्यश्री, नूरीन खान, निखिल तनवानी, सचिन राय, शिखर शुक्ला, ज्योति मालवीय, एजे खान, राकेश सक्सेना, लक्ष्मी जी, गोपाल पांडा, अनूप सिंह, प्रकाश कुमार, जुनेद किदवई, रत्नेश जैन लारिया सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी और स्टूडेंट उपस्थित थे।

35 वर्षो से आपकी सेवा में
भोपाल की सबसे पुरानी एवं विश्वसनीय
चुनाव प्रचार से विजय जुलूस तक
सभी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री के निर्माता एवं विक्रेता
सभी प्रकार के झण्डे, बैच, बैनर, कैप, स्टीकर, पोस्टर, ग्लोसाईन बोर्ड, होर्डिंग्स, फ्लेक्स एवं प्रिंटिंग कार्य हेतु पधारें
SHEELA AD MAKERS
शीला एड-मेकर्स
E-mail: sheelaadmakers@gmail.com
139, Malviya Nagar, Bhopal (M.P.)
Tel./Fax : 0755-4012177,
Mob : 9301020777,8889120777
GB-3, Ground Floor Mansarover Complex, Near Bjp Office Bhopal
Tel. 0755-4277938
www.sheelamakers.com

हरिभूमि

भोपाल - मुख

Date 5 N

आरकेडीएफ में मतदान जागरूकता रैली, बनाई मानव श्रृंखला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आने वाली 17 नवम्बर को मध्यप्रदेश विधान सभा के लिए होने वाले मतदान में बढ़चढ़कर भाग लेने और युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने आरकेडीएफ ग्रुप ने चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर, कुलाधिपति साधना कपूर और एमडी सिद्धार्थ कपूर के मार्गदर्शन में शनिवार को मतदाता जागरूकता अभियान रैली का आयोजन किया। रैली में शामिल हजारों की संख्या में युवाओं और आरकेडीएफ के कर्मचारियों अधिकारियों और स्टाफ मेम्बर और आम जनता को भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह,

जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज और कुलपति डॉ. विजय अग्रवाल ने मतदान की शपथ दिलाई।

बच्चों ने आकर्षक नाटक प्रस्तुत कर किया मतदाताओं को जागरूक

शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए राजधानी के शिवाजी नगर स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता क्लब के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चों ने आकर्षक नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें मतदाताओं को सफल लोकतंत्र के लिए एक-एक वोट की महत्ता का संदेश दिया गया। नाटक को वीडियो के माध्यम से बच्चों के पालकों एवं अधिकतम मतदाताओं तक पहुंचाकर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी जिम्मेदारी निभाने हेतु प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

आनंद विहार कॉलेज में मतदाता जागरूकता स्वीप

आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन भोपाल की एनएसएस इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता गतिविधियों स्वीप के अंतर्गत मानव श्रृंखला निर्मित कर नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

विज्ञान मेले में आरकेडीएफ के एग्रीकल्चर मॉडल को दूसरा स्थान

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

10 वे विज्ञान मेले में आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओ के द्वारा परिसीजन एग्रीकल्चर पर मॉडल का प्रदर्शन किया गया जिसमें छात्रों के द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद लेकर आधुनिक तरीके से खेती करना बताया गया विज्ञान मेले में विद्यार्थियों द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किया गया एवं आरकेडीएफ विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में भी द्वितीय पुरस्कार से से सम्मानित किया गया।

दैनिक सचएक्सप्रेस dainiksachexpress.com WhatsApp Edition

विश्वविद्यालय की इस सफलता पर कुलाधिपति डॉक्टर साधना कपूर, कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल, डायरेक्टर मैनेजमेंट डॉक्टर बी एन सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर सुनील पाटिल, रजिस्ट्रार डॉक्टर एन के लारिया और डीन फैकल्टी ऑफ़ एग्रीकल्चर, डॉक्टर के सी पांडे ने बधाई दी। इस अवसर पर एग्रीकल्चर और इंजीनियरिंग फैकेल्टी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

एग्रीकल्चर के छात्रों ने किसानों के साथ खेतों में लगाए पौधे, ग्रामीणों को दिलाया संकल्प

ग्रामीणों को कृषि वैज्ञानिक पाटिल ने दी कृषि संबंधी कई जानकारी

भास्कर संवाददाता | सीहोर

शनिवार को आरकेडीएफ एग्रीकल्चर विभाग के छात्रों ने थूनाकलां के किसानों के साथ क्षेत्र में पौधे लगाए। साथ ही उनके संरक्षण व अधिक से अधिक खेतों व खाली जगहों पर पौधे लगाकर क्षेत्र को हराभरा करने ग्रामीणों को संकल्प भी दिलाया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र सेवनिया के कृषि वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र पाटिल ने ग्रामीणजनों को फसलों की देख-रेख किस तरह की जाए व फसलों को कीटों व इल्लियों के प्रकोप से किस तरह से बचाया जा सकता है।

इसी तरह अन्य कृषि संबंधी कई जानकारियां दी। उन्होंने किसानों को वर्मिंग कम्पोस्ट खाद के बारे बताया। सब्जी वाली फसलों में वर्मिंग कम्पोस्ट के फायदे बताए। विश्वविद्यालय के छात्रों का जनजागरुकता अभियान अगले छह माह तक जारी रहेगा। अभियान के तहत सीहोर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभिया, पौधरोपण, फसलों के लिए वर्मिंग कम्पोस्ट खाद के लाभ, फसलों की उत्तम वेरायटी, फसलों के रख-रखाव के लिए किसानों को जागरुक किया जाएगा। साथ ही जैविक खेती करने प्रेरित भी किया जाएगा। इस मौके पर पंचायत थूनाकला के सरपंच अखिलेश सोनगरा, छात्र योगेश बिरला, सोनू यादव, सचिन कुमार, हर्षित, अतुल, विशाल, सतीष, शिवम डांगी, राहुल, शिवम आदि उपस्थित थे।

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम

भोपाल। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के पैरामेडिकल विभाग में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई। प्रोग्राम में नियमित कार्य में आसान संबंधी खतरों की रोकथाम के विषय पर चर्चा हुई। कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 4 नवम्बर तक चलने वाले प्रोग्राम में लेफ्टिनेंट डॉक्टर चंद्र बहादुर सिंह डांगी और विषय विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने पीठ दर्द और इसकी रोकथाम व उपचार के बारे में बताया।

एजुकेशन अपडेट

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में गुरुओं का सम्मान

भोपाल. रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय में आज गुरु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष मनोहर ममतानी थे।अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने की। राष्ट्रीय सेमिनार भारतीय शिक्षा परंपरा एवं गुरुओं की भूमिका पर सभी अतिथियों ने विचार प्रकट किए। भोपाल के 35 शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर अग्रवाल, वंदना पराशर कुल सचिव डॉ. एनके लारिया, संयोजक डॉक्टर सी बीएस डांगी व डॉ अर्पित भार्गव मौजूद थे।

अनूप जलोटा पहुंचे आरकेडीएफ विवि, हुआ स्वागत

भोपाल, देशबन्धु। सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक एवं भजन सम्राट अनूप जलोटा का आज रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय में आगमन हुआ। यहां श्री जलोटा का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल ने किया तथा विश्वविद्यालय की गतिविधियों से परिचित कराया। इस अवसर पर श्री जलोटा ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में एक ऐसी ऊर्जा का संचार होता है जो मुझ में उत्साह और जोश भर देता है। नौजवानों के बीच रहना हमेशा प्रेरणादायक होता है।

श्री जलोटा ने कहा कि आज आध्यात्मिक संगीत की आवश्यकता चरित्र निर्माण के लिए बहुत ज़रूरी है। जब हम राम, रहीम, कबीर, तुलसी और बाबा फरीद के लिखे हुए पदों का गायन करते हैं तो अपनी संस्कृति से जुड़ते हैं। यही हमें परिपक्व बनाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य निर्माण के लिए हमें अपने पूर्वजों को नहीं भूलना चाहिए, इसी उद्देश्य से जलोटा संगीत अकादमी की स्थापना की गई है जो नौजवानों को आध्यात्मिक संगीत की शिक्षा प्रदान कर उन्हें बेहतर मनुष्य बनाने में योगदान देगी। इस दौरान उन्होंने छात्रों को अनेक भजन सुनाए।

श्री जलोटा ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया और यहां वृक्षारोपण भी किया। उन्हें आरकेडीएफ परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अंत में कुलसचिव डॉ एनके लारिया ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में से डॉ. सुनील पाटिल, डॉ वीके सेठी, योगराज सिंह, सुश्री सोनल शर्मा, प्रो संजय दुबे सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक -छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

TATA

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 11वां तल, टॉवर ए, पेनिनसुला बिज़नेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013. CIN No U67190MH2008PLC187552

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति)

(सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8(1) के अनुसार)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे वर्णित कर्जदारों / गारंटरों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं अतएव एतद द्वारा कर्जदारों / गारंटरों तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित संपत्ति का अधिग्रहण किया गया है जो कि सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पढ़े गए उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत प्रदत्त की गई शक्तियों के अनुरूप है।

एतद द्वारा विशेष रूप से कर्जदार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें ब्याज सहित नीचे दी गई राशि के लिए उस पर और नीचे दी गई तारीख से दंडात्मक ब्याज, शुल्क, लागत आदि हेतु **टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आकर्षित किया जाता है, जो उपलब्ध परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है।

लोन खाता क्र.	ऋणकर्ता (ओं) / कानूनी उत्तराधिकारी (ओं) / कानूनी प्रतिनिधि (ओं) के नाम	मांग नोटिस की राशि एवं दिनांक	अधिग्रहण की दिनांक
9760495 & 9762335	1. श्रीमती कंचन तड़ये 2. श्री ओम शंकर	16-11-2022 तक रु.9,92,284/- और रु.1,80,859/-	24.02.2023

सुरक्षित संपत्ति / अचल संपत्ति का विवरण : अचल संपत्ति फ्लैट नं 402, प्लॉट नं 08, स्वास्तिक अपार्टमेंट, कस्टम कॉलोनी, कोलार, भोपाल, म.प्र. 462042 के सभी अधिकार, टुकड़े और पार्सल जिसका माप - 509 वर्ग फुट है, संपत्ति सीमाबद्ध है - पूर्व में : फ्लैट नं. 401, पश्चिम में : फ्लैट नं. 403, उत्तर में : प्लॉट नं. 07 और दक्षिण में : कॉलोनी की सड़क

दिनांक : 24.02.2023
स्थान : भोपाल

हस्ते/-प्राधिकृत अधिकारी
वास्ते टाटा कैपिटल हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड
अलंकार काम्प्लेक्स, द्वितीय तल, प्लॉट नं. 11, जोन II एम.पी. नगर भोपाल 462011

आरकेडीएफ में गुरु सम्मान कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में गुरु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष मनोहर ममतानी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने की। इस अवसर पर प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति पूरे विश्व में अपनी उन परंपराओं के लिए जानी जाती है जिसने हजारों वर्षों के ज्ञान को विदेशी झंझावातों से बचाकर रखा। इस अवसर पर भोपाल के श्रेष्ठतम 35 शिक्षकों का सम्मान भी किया गया जिसमे कर्नल शकूर भी शामिल थे। श्रीमती वंदना पराशर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर एनके लारिया ने ऐतिहासिक संदर्भों से शिक्षक के महत्व को प्रतिपादित किया। संयोजक सीबीएस डांगी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

बजाज ने लॉन्च की 150 सीसी पल्सर एन150

भोपाल। दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो ने सुरजीत बजाज शोरूम में 150 सीसी में नई पल्सर एन150 लॉन्च की। कंपनी के मार्केटिंग मैनेजर श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि पल्सर एन150 विस्तारित पल्सर पोर्टफोलियो के लिए एकदम सही जोड़ है। पल्सर एन150 के साथ, भारत की सबसे कंपनी ने अधिक बिकने वाली स्पोर्ट्स बाइक परिवार को एक योग्य नया सदस्य मिला है। डिजाइन भाषा गतिशील और ऊर्जावान चरित्र रेखाओं, सख्त अनुपात और आधुनिक एयरो गतिशीलता का दावा करती है। यह एक स्पोर्टियर अंडरबेली एग्जॉस्ट से लैस है जो उच्च आरपीएम देता है। बेली पैन, फ्रंट फेयरिंग और फ्रंट फेंडर जैसे फ्लोटिंग बॉडी पैनल प्रभावशाली प्रोफ़ाइल को पूरा करते हैं। बजाज ऑटो के अध्यक्ष (मोटरसाइकिल) सारंग कनाडे ने कहा, बीस साल पहले, हमने पहली पल्सर 150 सीसी मोटरसाइकिल लॉन्च की थी। तब से यह भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली 150 सीसी मोटरसाइकिल रही है। एन150 के साथ, पल्सर अपने सबसे बड़े और बोल्ड अवतार में सड़क पर राज करने के लिए वापस आ गया है।

गैस उत्सर्जन उजागर करने उपग्रह तकनीक का प्रयोग

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान आईआईएसईआर भोपाल ने अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र हैदराबाद और मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के साथ

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी और पैरामेडिकल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम की हुई शुरुआत

भोपाल प्रटा। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी ओर पैरामेडिकल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्रामकी हुई शुरुआत जिसमें नियमित कार्य में आसान संबंधी खतरों की रोकथाम के विषय पर चर्चा हुई कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम के महत्व को समझाया। यह प्रोगाम 6 दिन तक दिनांक 30 अक्टूबर 2023 से 04 नवंबर 2023 तक सतत् निरंतर चलेगा कार्यक्रम लेफ्टिनेंट डॉक्टर चंद्र बहादुर सिंह डांगी अधिष्ठाता के नेतृत्व में हो रहा है पंडित गर्ग जी,, जिसमें विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने सभी फैकल्टी को पीठ का दर्द और इसकी रोकथाम और उपचार के बारे में बताया और इस विषय के महत्व को भी समझाया। इस प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम का संचालन डॉ. पवन पाटीदार फिजियोथैरेपिस्ट द्वारा किया गया। उन्होंने पंडित गर्ग जी को बताया कि नियमित कार्य में आसान संबंधी खतरों की रोकथाम बहुत ही अच्छा विषय है आज की बढ़ती दिनचर्या में सबसे ज्यादा इसी परेशानी का सामना करना पड़ता है साथ ही उन्होंने बताया की कैसे हमारे कार्यस्थल पर आसान संबंधित खतरों को फिजियोथैरेपी की भिन्न-भिन्न पद्धतियों के द्वारा रोका जा सके , कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर सी बी एस दांगी ने आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के चांसलर , वाइस चांसलर , रजिस्ट्रार एवं अन्य सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया एवं साथ ही मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया एवं प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम की उपयोगिता को समझाया यह प्रोग्राम अभी सतत् निरंतर जारी रहेगा यह जानकारी पंडित राजकुमार गर्ग को डॉ पवन पाटीदार द्वारा दी गई।

आरकेडीएफ के एग्रीकल्चर मॉडल को मिला दूसरा स्थान

भोपाल। 10 वें विज्ञान मेले में आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स द्वारा परिसीजन एग्रीकल्चर मॉडल को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। छात्रों के द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेकर आधुनिक तरीके से खेती करना बताया गया। आरकेडीएफ विवि को श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में द्वितीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। विवि की इस सफलता पर कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर, कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल, डायरेक्टर मैनेजमेंट डॉ. बीएन सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील पाटिल, रजिस्ट्रार डॉ. एनके लारिया और डीन फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर, डॉ. केसी पांडे ने बधाई दी। इस अवसर फैकेल्टी मेंबर्स मौजूद रहे।

P •शोध एमओयू

आरकेडीएफ विवि और सीएसआईआर के बीच एमओयू

भोपाल. कार्बन उत्सर्जन की दिशा में शोध कार्य को प्रभावी बनाने भोपाल के आरकेडीएफ विश्वविद्यालय और नई दिल्ली के सीएसआइआर के बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। आईआईटी मुंबई में हुए इस करार के समय सीएसआईआर की ओर से प्रोफेसर आर पी सिंह, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर तथा आरकेडीएफ विवि की ओर से कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल तथा डायरेक्टर जनरल रिसर्च प्रोफेसर वी के सेठी ने हस्ताक्षर किए। सीएसआईआर के वैज्ञानिक भोपाल आकर पायलट प्रोजेक्ट के संसाधनों का उपयोग कार्बन उत्सर्जन में 45% कटौती के लिए करेंगे।

आरकेडीएफ का दीक्षांत समारोह

कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व हैं जीवन के मूल मंत्र : सत्यार्थी

भोपाल, देशबन्धु। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्राप्त करने वाले छात्रों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि हर छात्र को, गुरु, पिता, देश और समाज के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए तभी आप जीवन की परीक्षा में पूरे नंबरों से पास हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व न सिर्फ छात्रों बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता आपको जीवन में एक अलग सम्मान दिलाती है, संभावना के साथ चुनौतियों से जूझना भी सीखें और जिम्मेदारी का अहसास सब मिलकर करें तो यह धरती स्वर्ग बन जाएगी।

समारोह में इग्नू के कुलपति डॉ नागेश्वर राव ने दीक्षांत समारोह को छात्रों के लिए बड़ा दिन बताते हुए कहा कि दीक्षा समाप्त हो गई है अब कर्मक्षेत्र की बारी है। उन्होंने छात्रों को ज्ञानवान, शीलवान, कर्तव्यनिष्ठ बनने की सलाह देते हुए कहा कि यह आपकी नई परीक्षा है जिसमें आपको स्वयं उत्तीर्ण होना है। उन्होंने आरकेडीएफ विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए छात्रों से कहा कि नाम के अनुरूप आप सब राम और कृष्ण जैसा आचरण अपने जीवन में भी करें। वहीं आरकेडीएफ समूह के चेयरमैन डॉ सुनील कपूर ने पूरे विश्व में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व के छह देशों में भारतीय व्यक्ति प्रधानमंत्री बन रहे हैं, इससे बड़ा गौरव और भला क्या होगा। उन्होंने आरकेडीएफ द्वारा कार्बन उत्सर्जन में महती भूमिका निभाने और सीमा पर डटे जवानों के लिए बुखारी जैसे नवाचार करने के लिए आरकेडीएफ के शोधकर्ताओं को साधुवाद दिया। विवि की कुलाधिपति डॉ साधना कपूर ने कहा कि देश के सुंदर कल की नींव युवा हैं, शिक्षा से लेकर कला, विज्ञान, उद्यम और समाज सबकी कमान युवाओं के हाथ में है और वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ भारत शरण सिंह ने कहा कि युवाओं के लिए आगे बढ़ने के अनेक नए मार्ग खुल चुके हैं। उन्हें अपना मार्ग खुद चुनना होगा। प्रारम्भ में कुलपति प्रो विजय अग्रवाल ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम नैतिक विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को चरित्रवान बनाने की शिक्षा देते हैं। हम सामाजिक सरोकारों से जोड़कर बेहतर मनुष्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को दीक्षांत शपथ दिलाई।

इस अवसर पर में नासा की अंतरिक्ष परियोजना के वैज्ञानिक प्रो पार्थसारथी दत्ता को डी एस सी तथा मेजर जेनरल अवकाश प्राप्त बी एन खन्ना को पीएचडी की मानद प्रदान की गई। वहीं 40 विद्यार्थियों को शोध उपाधि तथा 250 छात्रों को स्नातकोत्तर एवं स्नातक उपाधियां प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सोनल सिंह एवं भाग्य श्री मेहता ने आभार प्रदर्शन कुलसचिव श्री लारिया ने किया। समारोह में आरकेडीएफ के उप कुलाधिपति प्रो. सिद्धार्थ कपूर, एमडी बीएन सिंह, सीईओ सुनील पाटिल, सत्यसांई विवि के कुलपति डॉ मुकेश तिवारी, एसआरके विश्वविद्यालय की कुलपति रुचि चौबे, सीईओ प्रियंका जायसवाल, भाभा विश्वविद्यालय के सीईओ प्रसाद पिल्लई, सहित छात्र और स्टाफ उपस्थित थे।

मेरा अंग अंग तोड़ा गया पर चुनौतियों से नहीं डरा

समारोह में श्री सत्यार्थी ने अपने जीवन की कुछ घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने ने नोबल पुरस्कार मिलने से पहले के संघर्ष को उजागर करते हुए कहा कि युवतियों को देह व्यापार के दलदल से बचाने और बच्चों को बालश्रम से दूर करने के अभियान के चलते मेरे शरीर के हर अंग के माफियाओं ने हमला किया है, कभी मेरे पैर तोड़े गए तो कभी रीढ़ की हड्डी..... लेकिन मैं चुनौतियों से नहीं डरा और उनसे लड़ते हुए मैंने अपना लक्ष्य हासिल किया।

अनपढ़ मां ने हम 4 भाइयों को खूब पढ़ाया

श्री सत्यार्थी ने अपने जीवन की पहली गुरु अपनी मां को बताते हुए कहा कि हमारी मां अनपढ़ थी लेकिन उसने हम चार भाईयों को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी..... इसी का नतीजा है कि हम चारों भाई पढ़ लिखकर समाज और शिक्षा की दिशा में काम करने के काबिल बने।

साईकिल से चलने वाला आज 6 विवि का मालिक है

श्री सत्यार्थी ने कहा कि आज जिस विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मैं मुख्य अतिथि के रूप में खड़ा हूं इन्हें मैं तब से जानता हूं जब ये साईकिल पर चला करते थे। डॉ सुनील कपूर आज अपनी इच्छाशक्ति से एक नहीं बल्कि 6 विश्वविद्यालयों के स्वामी हैं, इनकी पत्नी डॉ साधना कपूर 4 विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति हैं और इनका बेटा सिद्धार्थ और बहू रुचि शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं..... सफलता के लिए बस ऐसे ही जुनून की ज़रूरत होती है।

हव

नोबल पुरस्कार विजेता सत्यार्थी ने बताए जीवन के तीन मूल मंत्र : कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व

आरकेडीएफ में दीक्षांत समारोह का आयोजन

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी में मंगलवार को नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने हजारों छात्रों और युवाओं को जीवन में सफल होने के लिए तीन मूलमंत्र बताए। ये मंत्र हैं कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व। मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठित युनिवर्सिटी आरकेडीएफ के दीक्षांत समारोह में दीक्षांत समारोह में इग्नू के कुलपति डॉ. के नागेश्वर राव, कुलाधिपति डॉ साधना कपूर, ग्रुप के चेयरमैन डॉ सुनील कपूर, प्रो वाईस चांसलर सिद्धार्थ कपूर, आरकेडीएफ के कुलपति प्रो विजय अग्रवाल, एमडी बीएन सिंह, सीईओ सुनील पाटिल, सत्यसांई विवि के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी, एसआर के विवि की कुलपति रुचि चौबे, सीईओ प्रियंका जायसवाल, भाभा विवि के सीईओ प्रसाद पिल्लई, सहित तमाम गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

समारोह में नासा के वैज्ञानिक पार्थसारथी दत्ता और रिटायर्ड मेजर जनरल बीएल खन्ना को डीएससी की

विज्ञान की मानद उपाधि से, प्रो वीके सेठी को लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से और छात्रों को स्वर्ण तथा अन्य पदकों से सम्मानित किया गया। सत्यार्थी ने कहा कि ये कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व न सिर्फ छात्रों बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में महत्व रखते हैं। कुलपति डॉ राव ने दीक्षांत समारोह को छात्रों के लिए बड़ा दिन बताते हुए कहा कि दीक्षा समाप्त हो गयी है अब कर्मक्षेत्र की बारी है। उन्होंने आरकेडीएफ द्वारा कार्बन उत्सर्जन में महती भूमिका निभाने और बुखारी जैसे इनोवेशन करने के लिए आरकेडीएफ के शोधकर्ताओं को साधुवाद दिया। विवि की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर ने अपने उद्बोधन में युवाओं पर जोर देते हुए कहा कि देश के सुंदर कल की नींव युवा हैं। समारोह को कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल ने भी संबोधित किया और आभार का दायित्व कुलसचिव लारिया ने निभाया।

सत्यार्थी के पांच सत्य

श्री सत्यार्थी ने अपने छात्र जीवन के राज खोलते हुए बताया कि वे यहां न्यू मार्केट में काफी पीने और सरदार के छोले भटूरे खाने अपने गांव से भोपाल आते थे, जो भी रेलगाड़ी भोपाल आती उसमें सवार होकर आते और चेन पुलिंग करके भोपाल में उतर जाते थे। सत्यार्थी ने नोबल पुरस्कार मिलने से पहले के संघर्ष को उजागर करते हुए कहा कि युवतियों को देह व्यापार के दलदल से बचाने और बच्चों को बालश्रम से दूर करने के अभियान के चलते मेरे शरीर के हर अंग पर माफियाओं ने हमला किया है, लेकिन मैं चुनौतियों से नहीं डरा और उनसे लड़ते हुए मैंने अपना लक्ष्य हासिल किया।

साइकिल से चलने वाला आज छह यूनिवर्सिटी का मालिक

सत्यार्थी ने कहा कि आज जिस यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मैं मुख्य अतिथि के रूप में खड़ा हूं इन्हें मैं तब से जानता हूं जब ये साइकिल पर चला करते थे।

डॉ सुनील कपूर अपनी इच्छाशक्ति से एक नहीं बल्कि 6 विश्वविद्यालयों के ऑनर हैं, इनकी पत्नी डॉ साधना कपूर 4 यूनिवर्सिटी की चांसलर हैं और इनका बेटा सिद्धार्थ और बहू रुचि शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। सफलता के लिए बस ऐसे ही जुनून की जरूरत होती है।

जीवन के तीन मूल मंत्र हैं कृतज्ञता संभावना और उत्तरदायित्व : सत्यार्थी

आरकेडीएफ के दीक्षांत समारोह में आए नोबल से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी और नासा वैज्ञानिक पार्थसारथी दत्ता

जागरण सिटी रिपोर्टर। नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने मंगलवार को हजारों छात्रों और युवाओं को जीवन में सफल होने के लिए तीन मूलमंत्र बताए। ये मंत्र हैं कृतज्ञता, संभावना और उत्तरदायित्व। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने वाले छात्रों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते सत्यार्थी ने कहा कि हर छात्र को मां, गुरु, पिता, देश और समाज के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए तभी आप जीवन की डगर में पूरे नंबरों से पास हो सकते हैं। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि सत्यार्थी के अलावा इग्नू के कुलपति डॉ. के नागेश्वर राव, कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर, ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर, प्रो वाईस चांसलर सिद्धार्थ कपूर सहित हजारों की संख्या में छात्र और स्टाफ उपस्थित था। समारोह में नासा के वैज्ञानिक पार्थसारथी दत्ता और रिटायर्ड मेजर जनरल बीएल खन्ना को डीएससी की विज्ञान की मानद उपाधि से, प्रो. वीके सेठी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से और छात्रों को स्वर्ण तथा अन्य पदकों से सम्मानित किया गया।

सत्यार्थी ने बताए पांच सत्य

चेन पुलिंग कर कॉफी पीने भोपाल आते थे

कभी संजीदा तो कभी मजाकिया लहजे में दीक्षांत भाषण दे रहे नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने बातों ही बातों में अपने जीवन के पांच सत्य से सबको रूबरू करवाया ... सत्यार्थी ने अपने छात्र जीवन के राज खोलते हुए बताया कि भोपाल उनका दूसरा घर था, वे यहां न्यू मार्केट में काफी पीने और सरदार जी के छोले भटूरे खाने अपने गांव से भोपाल आते थे। इसके लिए जो भी रेलगाड़ी भोपाल आती उसमें सवार होकर आते और चेन पुलिंग करके भोपाल में उतर जाते थे, लेकिन अब इसके लिए सजा नहीं हो सकती क्योंकि ये 70 के दशक की बात है।

मेरा अंग-अंग तोड़ा गया पर चुनौतियों से नहीं डरा

सत्यार्थी ने नोबल पुरस्कार मिलने से पहले के संघर्ष को उजागर करते हुए कहा कि युवतियों को देह व्यापार के दलदल से बचाने और बच्चों को बालश्रम से दूर करने के अभियान के चलते मेरे शरीर के हर अंग पर माफियाओं ने हमला किया है। कभी मेरे पैर तोड़े गए तो कभी रीढ़ की हड्डी, लेकिन मैं चुनौतियों से नहीं डरा और उनसे लड़ते हुए मैंने अपना लक्ष्य हासिल किया।

अनपढ़ मां ने हम चार बच्चों को खूब पढ़ाया

सत्यार्थी ने अपने जीवन की पहली गुरु अपनी मां को बताते हुए कहा कि हमारी मां अनपढ़ थी लेकिन उसने हम चार भाईयों को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसी का नतीजा है कि हम चारों भाई पढ़ लिखकर समाज और शिक्षा की दिशा में काम करने के काबिल बने।

डिग्री तो सबसे पहले लड़की को दिखाओगे

छात्रों को डिग्री देने के बाद उनसे मजाकिया लहजे में संवाद करते हुए सत्यार्थी ने कहा कि मुझे सुनना चाहते हो न, मैं आप सबसे पूछना चाहता हूं यह डिग्री आप सबसे पहले किसको दिखाओगे? सोचकर आए होंगे कि डिग्री मिलेगी तो छाती चौड़ी करके चलेंगे और सबसे पहले डिग्री लड़की को दिखाएंगे, क्योंकि न सिर्फ नौकरी बल्कि शादी भी तो डिग्री मिलने के बाद ही होती है न।

साइकिल से चलने वाला 6 यूनिवर्सिटी का मालिक

सत्यार्थी ने कहा कि आज जिस यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मैं मुख्य अतिथि के रूप में खड़ा हूं इन्हें मैं तब से जानता हूं जब ये साइकिल पर चला करते थे। डॉ. सुनील कपूर आज अपनी इच्छाशक्ति से एक नहीं बल्कि 6 विश्वविद्यालयों के ऑनर हैं। सफलता के लिए ऐसे ही जुनून की जरूरत होती है।

गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. साधना कपूर की जर्नी... 2016 में शुरू किया था एशिया का पहला कार्बन कैप्चर प्लांट

डॉक्टर कपल ने 28 साल पहले लिया था एकेडमिक्स में जाने का फैसला, अब 4 राज्य में हैं मेडिकल व इंजीनयरिंग कॉलेज

WOMEN POWER

सिटी रिपोर्टर। एक डॉक्टर से एकैडमीशियन बनने की जर्नी एडवेंचरस भी है और रिस्की भी। ऐसे ही एक सफर पर 28 साल पहले निकलीं गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. साधना कपूर। इस बार विमन@बिजनेस में हमने जाने इसी जर्नी से जुड़े कुछ माइलस्टोन।

रिस्क उठाया तो सफलता भी मिली

डॉ. साधना कपूर बताती हैं- मैं गायनेकोलॉजिस्ट थी और मेरे पति पीडियाट्रीशियन। दोनों की प्रैक्टिस अच्छी चल रही थी, फिर इसी बीच कुछ एडवेंचरस करने का मन हुआ, तो हमने सोचा कि कोई कॉलेज ओपन करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज खोलना इतना आसान नहीं था, तो शुरुआत 1995 में हमारे पहले इंजीनियरिंग कॉलेज से की। मैं और हसबैंड ने जो एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टेप उठाया था, उसमें रिस्क तो था, लेकिन सिर्फ एक कॉन्फिडेंस था कि अगर हमारा इनीशिएटिव फेल भी हुआ, तो हम हमारी डॉक्टरी की प्रैक्टिस को दोबारा शुरू करने सर्वाइव कर ले जाएंगे। तो, हम दोनों ने अपनी सेविंग्स खर्च कीं और पहला इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू किया। यह प्रयास सफल रहा तो 1997 में दूसरा कॉलेज शुरू किया। फिर 2002 में भाभा इंजीनियरिंग कॉलेज डाला। 2003 में हमने अपनी रीच भोपाल के बाहर बढ़ाई और इंदौर व रीवा में इंजीनियरिंग कॉलेज खोले। सफर ऐसे ही चलता रहा, 2006 में भोपाल गांधी नगर में, 2009 रांची, इसके बाद त्रिपुरा अगरतला और 2019 में उत्तराखंड में कॉलेज खुलते चले गए।

हमारा प्लांट हर साल 500 टन कार्बन सोखता है

हमारा फोकस हमेशा से रिसर्च और इनोवेशंस पर रहा है। इस दौरान 2016 में हमने एशिया का पहला कार्बन कैप्चर प्लांट भोपाल में हमारे कॉलेज में शुरू किया। यह दुनिया का तीसरा प्लांट है, इससे पहले अटलांटा और ऑस्ट्रेलिया में ऐसे प्लांट खुल चुके थे। हमने सोचा पर्यावरण को बचाने की बातें तो सभी करते हैं, हम कुछ ऐसा करें, जिससे सचमुच पर्यावरण बेहतर हो सके। फिर हमने कार्बन कैप्चर प्लांट लगाया, जो हर साल 500 टन कार्बन सोखता है और इसके बाद हमें यूरो मिलते हैं।

अचीवमेंट्स

1. डॉ. साधना को 2018 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने हॉनररी प्रोफेसर की उपाधि दी।
2. 2022 में इन्हें लंदन में हुए समारोह में गोल्ड मेडल फॉर बेस्ट रिसर्च दिया गया।
3. डॉ. साधना ने जन्म से न सुन सकने वाले बच्चों की समस्या को दूर करने के लिए डेंटल इम्प्लांट तैयार किया। इस रिसर्च पर उन्हें पेटेंट मिला है और इसका प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 11 लाख रुपए की फंडिंग मिली।
4. डॉ. साधना ने मॉड्यूलर रोबोटिक नर्स तैयार की, जोकि 18 टेस्ट करती है और 15 मिनट के भीतर रिपोर्ट भी दे देती है।
5. डॉ. साधना ने ब्लाइंड और पोलियो ग्रस्त बच्चों के ईलाज के लिए स्थापना समिति शुरू की। इसके तहत अभी तक हजारों बच्चों को ट्रीटमेंट मिल चुका है।
6. डॉ. साधना ने रामनाथ कपूर धर्मार्थ फाउंडेशन शुरू किया, जिसके तहत वे 5 गांवों को गोद लेकर उनके विकास पर काम कर रही हैं।

स्टूडेंट्स की प्रोफाइल बिल्डिंग पर काम करती हैं अंजली, बताया

डॉ. साधना कपूर ने लंदन में ग्रहण किया ऑक्सफोर्ड अकादमी यूनियन का सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर को ऑक्सफोर्ड अकादमी यूनियन द्वारा ग्रैंड स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह आयोजन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन में गत 20 दिसंबर को हुआ।

डॉ. साधना को शिक्षा एवं जन कल्याण के लिए किए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विवि में जलवायु परिवर्तन पर भी अकादमिक व्याख्यान दिया। सम्मानित होने के बाद डॉ. साधना ने बताया कि ऑक्सफोर्ड विवि में आयोजित सम्मान समारोह से भारत में निजी विश्वविद्यालयों द्वारा किए कार्यों को महत्व मिला है व उनकी गरिमा बढ़ी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों ने छात्रों को ग्रामीण परिवेश में समस्याओं के समाधान में किस प्रकार योगदान देना चाहिए यह भी सिखाने का प्रयास किया है। डॉ. साधना के साथ डॉ. सुनील कपूर और डॉ. शुची कपूर भी आयोजन में शामिल हुए। समारोह में आरकेडीएफ विश्वविद्यालय से संबंधित एक वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया। आरकेडीएफ विवि ने जिन 5 गांवों को गोद लिया है, उनमें किस तरह की गतिविधियां संचालित हैं, इस पर भी प्रकाश

डाला गया। डॉ.कपूर को सम्मानित किए जाने पर आरकेडीएफ विवि के कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल, महाप्रबंधक डॉ. बीएन सिंह, महानिदेशक– शोध प्रो.वी के सेठी, कुलसचिव डॉ. नरेंद्र लारिया, विभागाध्यक्ष फार्मेसी प्रो.एमएल कोरी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुनील पाटिल, सीए ओ री योगराज सिंह, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किया है तथा कहा कि दूसरी बार यूरोपियन यूनियन द्वारा डॉ. साधना का सम्मान किया जाना विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

education update

साधना कपूर को ऑक्सफोर्ड विवि ने दिया ग्रेंड स्टार सक्सेस अवार्ड

भोपाल @ पत्रिका. मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों में शुमार आरकेडीएफ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर को उनके शिक्षा और समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए लंदन की ऑक्सफार्ड यूनिवर्सिटी ने ग्रेंड स्टार सक्सेस अवार्ड दिया है। इस गौरवमयी क्षणों में आरकेडीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर को भी मंच पर बुलाया। डॉ. साधना कपूर को यह सम्मान अकादमिय यूनियन ऑक्सफोर्ड की ओर से यूनिवर्सिटी के सामाजिक कार्य, अकादमिक उन्नयन और अनुसंधान के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन के चलते प्रदान किया गया है।

कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण में आरकेडीएफ युनिवर्सिटी की विश्वपटल पर दस्तक

सच संवाददाता || भोपाल

शिक्षा के क्षेत्र में संपूर्ण भारत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन यानी आरकेडीएफ युनिवर्सिटी ने अब कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण क्षेत्र में काम करते हुए भारत के साथ-साथ विश्वपटल पर दस्तक देकर भोपाल को गौरवांवित किया है। दरअसल आरकेडीएफ युनिवर्सिटी में विश्व का तीसरा एवं एशिया का

सचएक्सप्रेस WhatsApp Edition dainiksachexpress.com

पहला कार्बन कैपचरिंग प्लांट स्थापित किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर एवं प्रबंध मंडल ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को विश्वविद्यालय में चलाने के हर संभव प्रयास में अपना सहयोग प्रदान किया। सीएसआईआर नई दिल्ली द्वारा उच्च स्तरीय समिति ने इस संयंत्र का निरीक्षण किया। इस समिति मे आईसर पुणे के निदेशक सहित बीएआरसी तथा एनसीएल के अनेक शीर्षस्थ वैज्ञानिक पर्यावरणविद शामिल थे। विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में स्थापित किए गए संयंत्र के बारे में बताया कि संयंत्र को भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है और शीघ्र ही राष्ट्रीय क्षितिज पर हम इस पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में प्रभावी नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार एवं एनटीपीसी को अपना सहयोग प्रदान कर सकेंगे ताप विद्युत गृहों से निकलने वाले कार्बन डाई इस उपलब्धि को भारत सरकार के नीति आयोग की रिपोर्ट में शामिल किया गया है। इस संयंत्र को आरकेडीएफ विश्व विद्यालय में प्रोफेसर वीके सेठी के मार्गदर्शन लगाया गया है, जिसकी कीमत लगभग 2.08 करोड़ है।

कार्पोरेट प्लस DB - 17-03-23

विश्व का तीसरा कार्बन उत्सर्जन कैप्चरिंग प्लांट आरकेडीएफ में स्थापित

भोपाल। आरकेडीएफ युनिवर्सिटी में विश्व का तीसरा एवं एशिया का पहला कार्बन कैपचरिंग प्लांट स्थापित किया गया है। युनिवर्सिटी ने अब कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण क्षेत्र में काम करते हुए भारत के साथ विश्वपटल पर दस्तक देकर भोपाल को गौरवांवित किया है। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ साधना कपूर एवं प्रबंध मंडल ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को विश्वविद्यालय में चलाने के हर संभव प्रयास में अपना सहयोग प्रदान किया इसके सफल प्रयोग के बाद अब इसका उपयोग अब राष्ट्रीय स्तर पर होने जा रहा है। सीएसआईआर नई दिल्ली दावरा उच्च स्तरीय समिति ने इस संयंत्र का निरीक्षण किया ताकि आने वाले दिनों मे विभिन्न परियोजनाओं के साथ इसे जोड़ा जा सके। इस संयंत्र को आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर वीके सेठी के मार्गदर्शन लगाया गया है।

यह सदी वैकल्पिक ऊर्जा और बेहतर जीवन शैली के लिए जानी जाएगी:प्रो. अग्रवाल

भोपाल, देशबन्धु। रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय में विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल ने सर सी वी रमन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान के प्रति उत्कंठा और जिज्ञासा पैदा करना इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य होता है।

प्रो अग्रवाल ने कहा की वर्तमान सदी ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के साथ-साथ एक बेहतर जीवन शैली उपलब्ध कराने की लिए भी जानी जाएगी। भारतीय आध्यात्मिक चिंतन की परंपरा में वर्णित मंत्रों से लेकर चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक आधार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य चल रहा है। हमारे युवा वैज्ञानिकों को विज्ञान और तकनीक में होने वाले परिवर्तनों के साथ-साथ नवाचारों की ओर भी ध्यान देना होगा ताकि प्रौद्योगिकी में होने वाले परिवर्तनों के साथ विकास की प्रक्रिया भी तेज गति से चल सके। उन्होंने कहा कि हमारे पाठ्यक्रमों में भी आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है ताकि विद्यार्थी समय के साथ साथ आसन्न कठिनाइयों का सामना कर सके और अपनी मेधा शक्ति तथा ज्ञान के माध्यम से नए वैज्ञानिक आधार भी तैयार कर सकें।

आरकेडीएफ विवि में विज्ञान सप्ताह संपन्न

इस अवसर पर मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के प्रोफेसर वीके पाराशर ने जल संरक्षण के संदर्भ में समस्या और उसके समाधान पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अनेक शहरों में भूजल स्तर अभी से चिंताजनक स्थिति में है। यदि हमने जल का समुचित प्रबंधन नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे स्वास्थ्य को इस कमी की वजह से खतरनाक स्थिति से गुजरना पड़ सकता है। प्रख्यात माइंड हीलर श्री डीप पारासिनी ने छात्रों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र लेते हुए उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए की मानवता सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है जिसके आधार पर ही आपसी रिश्ते कायम है। उन्होंने प्रेम, शिक्षा के संदर्भ में आने वाली कठिनाइयां, छात्रों में डिप्रेशन और तनाव के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत प्रश्नों का भी उत्तर दिया।

उद्घाटन सत्र के बाद शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण हुआ जिसमें लगभग 70 शोध प्रस्तुत किए गए। दूसरे दिन समापन सत्र में प्रोफेसर वीके सेठी ने कार्बन उत्सर्जन एवं पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि थर्मल और सोलर इंटीग्रेटेड सिस्टम के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। समापन करते हुए कुलपति प्रो. अग्रवाल ने कहा की जब तक नाभिकीय ऊर्जा के छोटे-छोटे संयंत्र स्थापित नहीं होंगे तब तक ऊर्जा की समस्या का समाधान संभव नहीं। उन्होंने कहा कि कोयले के सीमित संसाधन को देखते हुए यही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं शरीर के अन्य अंगों में हो रहे परिवर्तनों का भी वैज्ञानिक अध्ययन किया जाना जरूरी है क्योंकि पिछले 2 वर्षों में अनेक युवाओं की हृदयाघात से मृत्यु एवं अन्य बीमारियों के बढ़ते प्रभाव के पीछे छिपे कारणों को पता करना जरूरी है।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रोफेसर गगन शर्मा ने किया। अंत में डॉ रवि सिंह पीपल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय की ओर से आमंत्रित विशेषज्ञों का सम्मान किया गया एवं उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ एनके लारिया, प्रोफेसर सुनील पाटिल, डॉ रत्नेश जैन, योगराज सिंह, डॉक्टर संदीप दुबे, प्रोफेसर सोनल सिंह , चिराग गुप्ता, डॉक्टर संजय जैन,डा. वर्षा मैहर, आदि उपस्थित थे ।

आरकेडीएफ में विज्ञान सप्ताह का आयोजन

भोपाल। आरकेडीएफ युनिवर्सिटी में विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले छात्रों को अवार्ड भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. विजय अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान सदी ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों के साथ-साथ एक बेहतर जीवन शैली उपलब्ध कराने के लिए भी जानी जाएगी। उन्होंने सर सीवी रमन के जीवन पर प्रकाश

डालते हुए कहा कि विज्ञान के प्रति उत्कंठा और जिज्ञासा पैदा करना ही इस तरह के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है। प्रोफेसर वीके पाराशर ने जल संरक्षण के संदर्भ में समस्या और उसके समाधान पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अनेक शहरों में भूजल स्तर अभी से चिंताजनक स्थिति में है। प्रख्यात माइंड हीलर डीप पारासिनी ने छात्रों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र लेते हुए उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए की मानवता सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है जिसके आधार पर ही आपसी रिश्ते कायम है। इस मौके पर लगभग 70 शोध प्रस्तुत किए गए। शोध पत्रों के प्रस्तुतिकरण के बाद समापन सत्र में प्रोफेसर वीके सेठी ने कार्बन उत्सर्जन एवं पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रोफेसर गगन शर्मा ने किया। अंत में डॉ रवि सिंह पीपल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कुल सचिव डॉ एनके लारिया, प्रोफेसर सुनील पाटिल, डॉ रत्नेश जैन, योगराज सिंह, डॉक्टर संदीप दुबे, प्रोफेसर सोनल सिंह, चिराग गुप्ता, डॉ संजय जैन, डॉ वर्षा मैहर आदि उपस्थित थे।

Lokdesh Bhopal 02...

आरकेडीएफ विवि के छात्रों को मिला प्रसन्नता का गुरु मंत्र

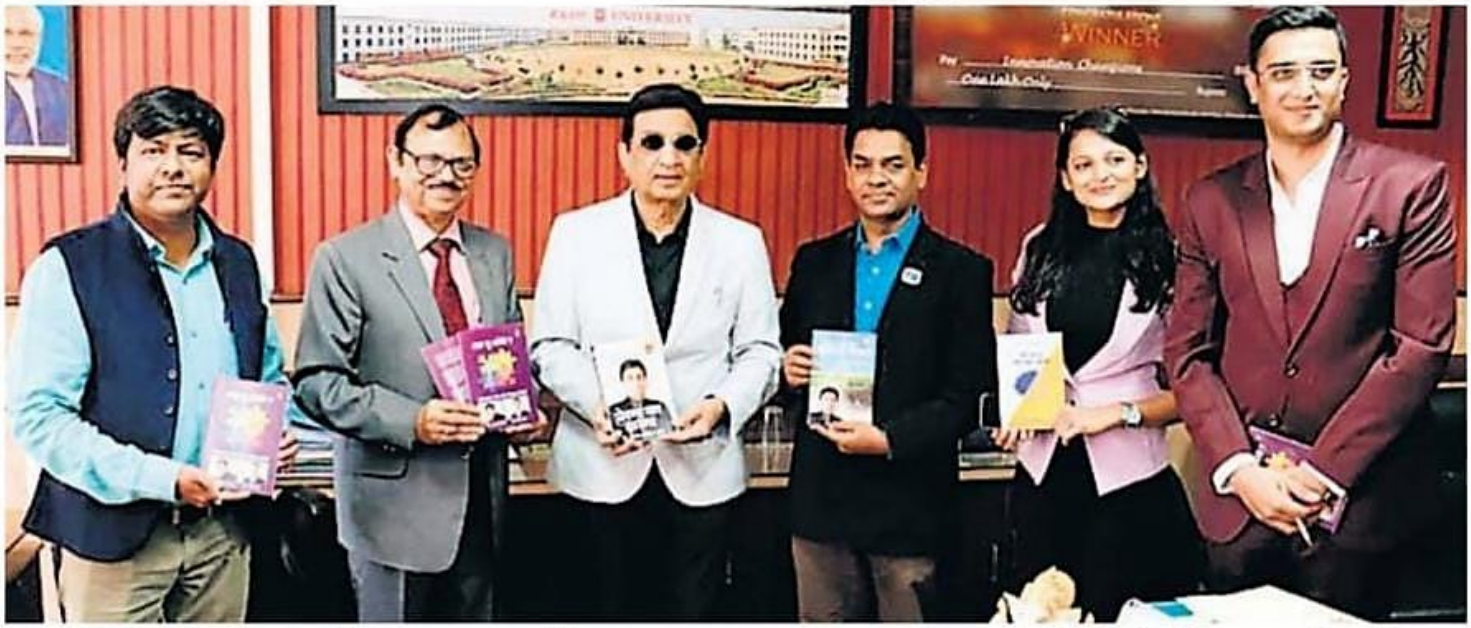

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

आज के जीवन में जब हर व्यक्ति तनाव से ग्रस्त होकर प्रसन्न जीवन जीने से दूर होता जा रहा है ऐसे में आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के छात्रों को आज न सिर्फ तनावमुक्त होने का मंत्र मिला बल्कि उन्हें यह भी सिखाया गया कि कैसे वे अपने आचरण और व्यवहार से लोगों का दिल जीतकर प्रसन्नचित्त रह सकते हैं। दरअसल आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में सुप्रसिद्ध माइंड ट्रेनर डॉक्टर जितेंद्र आढ़िया का आगमन हुआ था और उन्होंने ट्रांजेक्शनल एनालिसिस के माध्यम से छात्रों को यह बताया कि इस तकनीक का उपयोग करते हुए कैसे बेहतर समझ और व्यवहार कुशलता को पाया जा सकता है।

आयोजन में उपस्थित सीए संकेत जैन ने छात्रों को तनाव और चिंतामुक्त रहने का मूलमंत्र देते हुए बताया कि सफलता के लिए परिश्रम से अधिक प्रफुल्लित रहना और जिंदादिल रहना महत्वपूर्ण है। इससे पहले विवि के कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया और विश्वविद्यालय परिवार की ओर से एक स्मृति चिंह भी दिया। आयोजन में तमाम छात्रों के साथ साथ संचालन करने वाली सोनल सिंह, कुलसचिव डॉ एनके लारिया, डॉ सुनील पाटिल, डॉ रत्नेश जैन, योगराज सिंह, डॉक्टर सीपी दुबे, प्रोफेसर वीके सेठी, गगन शर्मा आदि उपस्थित थे।

बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह के गानों पर झूमे लोग

आरकेडीएफ का स्थापना दिवस

भोपाल(आरएनएन)। देशभर में अपने शिक्षण संस्थानों से शिक्षा और समाज कल्याण की दिशा में अग्रसर मध्यप्रदेश के आरकेडीएफ ग्रुप का 29 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर चेयरमैन डॉक्टर सुनील कपूर ने ग्रुप का और विस्तार करते हुए रीवा और महाराष्ट्र में 2 नए विश्वविद्यालय, एक नेशनल न्यूज चैनल और एक नया मेडिकल कालेज खोलने की घोषणा की। संस्थान के हजारों कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह ने अपने गानों से धूम मचाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया।

भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित तमाम गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के बीच हुए इस आयोजन में ग्रुप में पिछले 10 से 20 सालों से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित... : कुलाधिपति साधना कपूर, श्रुति कपूर, सिद्धार्थ कपूर, रुचि कपूर ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में सबको विश्वास दिलाया कि ग्रुप अपनी सामाजिक, शैक्षणिक और प्रदेश के गौरव की सारी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तन्मयता से करेगा। इस आयोजन में विशेष तौर पर आरकेडीएफ के कुलपति विजय अग्रवाल, सत्य साई विवि के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी, सीईओ एसआर के प्रियंका जायसवाल, सीईओ भाभा प्रसाद पिल्लई, रुचि चौबे, डॉ. बीएन सिंह, योगराज सिंह, सोनल सिंह, स्वराज टीवी के न्यूज हेड अमित जैन,जुनेद अहमद, प्रेसिडेंट आशीष तोमर, सुनील पाटिल सुनील नायक सहित विश्वविद्यालयों के तमाम कर्मचारी अधिकारी और उनके परिजन उपस्थित थे।

आरकेडीएफ ग्रुप रीवा और महाराष्ट्र में दो नए विश्वविद्यालय खोलेगा

भोपाल @ पत्रिका. देशभर में अपने शिक्षण संस्थानों से शिक्षा और समाज कल्याण की दिशा में अग्रसर मध्यप्रदेश के आरकेडीएफ ग्रुप का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। ग्रुप चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर ने रीवा और महाराष्ट्र में दो नए विश्वविद्यालय, एक नेशनल न्यूज चैनल और एक मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की। प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह ने अपने गानों से धूम मचाकर सबको मंत्रमुग्ध किया। भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित आदि उपस्थिति के दौरान ग्रुप में 10 से 20 सालों से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कुलाधिपति साधना कपूर, श्रुति कपूर सिद्धार्थ कपूर रुचि कपूर, आरकेडीएफ के कुलपति विजय अग्रवाल, सत्य साई विवि के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी, सीईओ एसआरके प्रियंका जायसवाल, सीईओ भाभा प्रसाद पिल्लई, रुचि चौबे, डॉ. बीएन सिंह, योगराज सिंह, सोनल सिंह आदि उपस्थित थे।

समारोह पूर्वक संपन्न हुआ आरकेडीएफ का स्थापना दिवस

भोपाल, देशबन्धु। रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन (आरकेडीएफ) का 29 वां स्थापना दिवस सांस्कृतिक समारोह के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ सुनील कपूर ने महाराष्ट्र और रीवा में दो नए विश्वविद्यालय और भोपाल में एक मेडिकल विश्वविद्यालय प्रारम्भ करने की घोषणा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ साधना कपूर ने सभी को बधाइ देते हुए कहा कि सभी के योगदान से आज यह समूह उत्तर भारत के प्रमुख शिक्षण समूहों में अपना स्थान बना पाया है। इस अवसर पर ए पी जे अब्दुल कलाम विश्व विद्यालय की कुलाधिपति डॉ श्रुति ने भी बधाई दी। कार्यक्रम में समूह के भाभा विश्वविद्यालय, एस आर के विश्वविद्यालय श्री सत्य साई विश्वविद्यालय सीहोर, ए पी जे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय इंदौर, आरकेडीएफ विश्वविद्याल भोपाल एवं रांची, आरआईटी, रीवा, सिद्धार्थ एक्सेलेन्स स्कूल, स्वराज चैनल ,वाइकेबीआई जिम, रेल कोच रेस्टोरेंट इंदौर आदि शामिल हुए।

वहीं विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा ग्राम कुराना, गांधीनगर में किसान विकास शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विशेषज्ञों नीरज जैन, रुद्र प्रताप सिंह एवं डॉ शुचि गंगवार द्वारा जलस्तर मृदा संरक्षण फूड प्रोसेसिंग जैसे विषयों पर किसानों को जानकारी प्रदान की। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी डॉ मीनाक्षी समर्थ ने दी तथा सुश्री चारू भगत ने खाद्य प्रसंस्करण के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीण जनों को कंबल, खाने का सामान और वर्मी कंपोस्ट खाद का वितरण किया गया। ग्राम प्रधान बाबूलाल मंडलोई ने शासन की लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया। इसी क्रम में एक अन्य शिविर का आयोजन डॉ अनूप कात्यायन के नेतृत्व में ग्राम बड़वई में किया गया जहां ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संकाय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया । लगभग 2 सौ ग्रामीणों ने इस शिविर में भाग लिया । वहीं गांधीनगर परिसर में 25 विद्यार्थियों ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ प्रत्यूष त्रिपाठी एवं डॉ अभिजीत पाटिल ने किया। उधर कार्यक्रमों की शाम को प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक मीका सिंह का कार्यक्रम हुआ, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पूर्व कैबिनेट मंत्री पीसी शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थिति में विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल द्वारा 25 वर्ष 15 वर्ष और 10 वर्ष की दीर्घकालीन सेवाओं के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। इनमें विश्वविद्यालय के कुलपति , शोधकर्ता, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल थे। वहीं गांधीनगर परिसर में भी एक समारोह आयोजित कर कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल द्वारा कर्मचारियों शिक्षकों और अधिकारियों का सम्मान किया गया इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल ने कहा कि आरकेडीएफ समूह द्वारा स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जिस तरह का आयोजन किया जा रहा है उससे विश्वविद्यालय गौरवान्वित महसूस कर रहा है । स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने आरकेडीएफ समूह के नए व्यवसायिक कार्यक्रम चैनल 360 को लांच किया। इस अवसर पर श्रीमती जनक कपूर की उपस्थिति में संस्थापक स्व.रामनाथ कपूर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का समन्वय सिद्धार्थ कपूर के मार्गदर्शन में डॉ रुचि चौबे, प्रियंका जायसवाल,डॉ मुकेश तिवारी, प्रसाद पिल्लई, जुनैद, डॉ बी एन सिंह, डॉ सुनील पाटिल, सुश्री सोनल सिंह योगराज सिंह आदि ने किया।

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में वैदिक गणित पर सेमिनार आयोजित

भोपाल। कोई भी विषय अध्ययन की दृष्टि से न तो कठिन होता है न सरल। उस विषय को पढ़ाने वाले शिक्षक पर निर्भर करता है कि वह विषय का प्रस्तुतीकरण किस तरह से करता है। गणित के लिए यही सिद्धांत लागू होता है। यह विचार रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन आरकेडीएफ विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल

ने गणित दिवस पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में व्यक्त किए। श्रीनिवास रामानुजन के व्यक्तित्व एवं गणित में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतवर्ष बहुत पहले से ही विज्ञान और गणित के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। वैदिक गणित एक ऐसा ही विषय है जिस पर पुरी के शंकराचार्य ने जिस ग्रंथ का प्रतिपादन किया वह छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. अनिल राजपूत ने विस्तार से प्रकाश डाला। अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ राजेश मिश्र ने वैदिक गणित के माध्यम से विद्यार्थियों को कुछ ऐसे अंको का गुणनफल वर्ग और घात की गणना करके बताया। डॉ गौरव शर्मा सह प्राध्यापक एसआईईआरटी ने भारतीय अंकगणितीय तथा बीजगणितीय ज्ञान की प्राचीन परंपरा पर प्रकाश डाला।

अपराध के चिन्ह, अपराधी को सज़ा दिलाने में मददगार होते हैं: डॉ शर्मा

आरकेडीएफ विवि में व्याख्यान संपन्न

भोपाल, देशबन्धु। प्रसिद्ध फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञ डॉ. हर्ष शर्मा ने कहा कि अपराध की दुनिया में कोई भी अपराधी तब तक बच नहीं सकता जब तक तफ़्तीश ठीक तरह से न की जाए। वे रामकृष्ण धर्मार्थ विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में बोल रहे थे।

डॉ. शर्मा ने कहा की आम लोगों के बीच में यह धारणा है की अक्सर अपराधों की विवेचना में असावधानी बरती जाती है लेकिन यह सच नहीं है। हर घटना अपने कुछ ऐसे चिन्ह छोड़ जाती है जिसके आधार पर अपराधी को पकड़ लिया जाता है। इसमें मृत शरीर, खून, स्थल एवं अन्य बातें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैंने फांसी के 8सौ प्रकरणों की विवेचना में सहयोग किया है और अपराधियों को आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक की सजा मिली है। डॉ शर्मा ने कहा कि दुष्कर्म जैसी घटनाओं में आमतौर पर नज़दीकी रिश्तेदार या परिचित की अधिक भूमिका होती है और इसीलिए कभी-कभी विवेचना के दौरान परेशानी का अनुभव करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे तकनीक का विकास हो रहा है, आपराधिक मानसिकता में भी उसी तरह से परिवर्तन हो रहा है, लेकिन अपराधी कितना भी चालाक क्यों न हो, अपराध के चिन्ह उसे दंड दिलाने से मददगार सिद्ध होते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर सामान्य मृत्यु एवं हत्या के अनेक प्रकरणों में एफ़ एस एल की भूमिका पर प्रकाश डाला ।उनका कहना था कि किसी भी सभ्य समाज में आपराधिक मानसिकता को बदले बिना अपराध मुक्त किया जाना संभव नहीं है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रख्यात रंगकर्मी राजीव वर्मा ने कहा की विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में इस तरह के व्याख्यान छात्रों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि विश्वविद्यालय में रंगकर्म से संबंधित कार्यशाला तथा पाठ्यक्रम भी होना चाहिए ताकि शिक्षकों और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए इसलिए भी उपलब्धि पूर्ण है क्योंकि आज के व्याख्यान के लिए एक ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित किया गया है जो अनेक आपराधिक प्रकरणों को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय अग्रवाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। इस व्याख्यान का उद्देश्य समाज में ऐसे परिवर्तन लाना है जिससे आपराधिक मानसिकता में बदलाव हो सके। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मानसिक चेतना जागृत नहीं होगी तब तक समाज से अपराध को समूल नष्ट करना संभव नहीं।

प्रारंभ में संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीबीएस दांगी ने अतिथियों का परिचय देते हुए विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार विद्यार्थियों में अपराधिक प्रकरणों के बारे में समाधान परक जागरूकता प्रदान करने में मददगार सिद्ध होगा। अंत में डॉ एन.के. लारिया ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ तपस्या तोमर ने किया। इस अवसर पर अन्य महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के शोध छात्र, शिक्षक एवं छात्र भी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

सिटी एंकर

भोपाल के स्टूडेंट्स ने बनाया सोलर ट्री और स्मॉलेस्ट सोलर मोबाइल चार्जर, थाइलैंड में मिला पुरस्कार

सोलर ट्री से लैपटॉप-मोबाइल होगा चार्ज, बचेगी बिजली

अनूप दुबोलिया •

लैपटॉप और मोबाइल चार्ज करने के लिए अब बिजली या पावर बैंक के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। ये काम छोटे से सोलर ट्री से भी कर सकेंगे। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी भोपाल के छह इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने ये सोलर ट्री और स्मॉलेस्ट सोलर मोबाइल चार्जर बनाया है। इस मॉडल को आईआईटी खड़गपुर से लेकर थाइलैंड तक पुरस्कृत किया गया। इन स्टूडेंट्स का दावा है कि इसके इस्तेमाल से बिजली के साथ पैसों की बचत होगी। इस यंत्र को इज़ाद करने वालों में सौरभ कुमार, संदीप गुप्ता, शुभम कुमार, नीलम शर्मा, वसीम अकरम और अनिकेत श्याम शामिल हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छठवें सेमिस्टर के इन छात्रों के मुताबिक सोलर ट्री बनाने में महज एक हफ्ते और मोबाइल चार्जर बनाने में पांच दिन का वक्त लगा। इसमें यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर वीके सेठी और टेक्नीकल डायरेक्टर आशीष डोंगरे ने गाइड किया।

यहां मिले इनाम

- तीन साल पहले इंडिया साइंस कांग्रेस के टेकफेस्ट और रीजनल साइंस सेंटर की प्रतियोगिता में।
- दो साल पहले आईआईटी खड़गपुर में एशियाई देशों में फाइनलिस्ट रहे।
- पिछले साल जुलाई में थाईलैंड में आयोजित टेकफेस्ट में।

यह है खासियत

सोलर ट्री : छोटे पौधेनुमा शक्ल का यंत्र है। जिसकी चार टहनियों पर पांच-पांच वॉट के चार सोलर पैनल लगाए गए हैं। जिसे आसानी से उठाकर कहीं भी ले जा सकते हैं। इसे छह घंटे सूरज की रोशनी में रखने से 20 वॉट बिजली बनेगी। इसके बाद तीन घंटे में तीन हजार मेगा हार्ट क्षमता की बैटरी का मोबाइल चार्ज किया जा सकता है। लैपटॉप चार्ज करने के लिए छह पैनल लगाए जा सकते हैं।

मोबाइल चार्जर : 15 वॉट का एक ही सोलर पैनल लगा है। इसे सिर्फ सूरज की रोशनी में रखकर ही तीन घंटे में मोबाइल चार्ज किया जा सकता है।

ऐसे समझें 7 लाख 20 हजार रुपए की बचत का गणित

एक लैपटॉप को चार्ज करने में एक दिन में आठ घंटे में 45 वॉट में 0.36 यूनिट बिजली खपत होती है। यानी महीनेभर में 10.8 यूनिट बिजली खपेगी। 5.50 रुपए प्रति यूनिट के मान से एक महीने में 59.40 यानी करीब 60 रुपए खर्च होंगे। यदि शहर में ऐसे एक हजार लैपटॉप चार्ज किए जाएं, तो 60 हजार रुपए महीने और साल भर में 7 लाख 20 हजार रुपए खर्च होंगे।

मोबाइल चार्ज करने पर 1 लाख 10 हजार रुपए की बचत

एक मोबाइल चार्ज करने पर एक साल में 22 रुपए खर्च होते हैं। एक परिवार में ऐसे पांच मोबाइल चार्ज करने पर 110 रुपए खर्च होंगे। शहर में ऐसे सिर्फ एक हजार मोबाइल चार्ज करने पर साल भर में 1 लाख 10 हजार रुपए खर्च होते हैं। सोलर चार्जर इस्तेमाल करने पर इतनी राशि की बचत होगी।